

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2017

03695

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

ई.एच.डी.-3 : हिन्दी-साहित्य का इतिहास एवं साहित्य-परिचय

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रथम प्रश्न अनिवार्य है ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. काव्य में अलंकार का महत्त्व स्पष्ट करते हुए शब्दालंकार के प्रमुख भेदों का सोदाहरण परिचय दीजिए ।

20

अथवा

विभिन्न विद्वानों द्वारा साहित्य की निर्धारित की गई परिभाषाओं के आलोक में 'साहित्य' का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

काव्य सृजन के संदर्भ में कल्पना का स्वरूप और विशेषताएँ बताइए ।

2. साहित्येतिहास लेखन की विभिन्न पद्धतियों का उल्लेख करते हुए हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा पर प्रकाश डालिए । 20
3. 'आदिकालीन' हिन्दी-साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए । 20
4. भक्ति काव्य की दार्शनिक विचारधाराओं का उल्लेख कीजिए । 20
5. निर्गुण काव्य धारा की विशेषताएँ बताइए । 20
6. रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए । 20
7. भारतेन्दु युगीन हिन्दी-साहित्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । 20
8. छायावादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ बताइए । 20
9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2 \times 10 = 20$
 - (क) हिन्दी-साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन
 - (ख) राम काव्य
 - (ग) प्रमुख छायावादी कवि
 - (घ) भारतेन्दु युगीन नाटक
 - (ङ) हिन्दी-साहित्य की प्रमुख कथेतर विधाएँ